भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA MUMBAI 9 MARCH 2025

Director general of Civil Aviation and chairman of the Airport Authority of India (AAI) review Navi Mumbai Airport readiness

DGCA Faiz Ahmed Kidwai, IAS, along with AAI chairman Vipin Kumar (IAS) and other officials, reviewed Navi Mumbai International Airport (NMIA) on Tuesday, 25th February 2025 ahead of its commercial launch.

Key milestones include trial landings of an IAF transport aircraft on October 11, 2024, and a commercial aircraft by IndiGo on December 29, 2024. The inspection covered runways, taxiways, ATC towers, terminal buildings, and baggage systems. A mock check-in process was also conducted to showcase operational readiness.

Developed by CIDCO, NMIA spans 1,160 hectares with an initial capacity of 20 million passengers per annum (MPPA) and 0.8 million tonnes of cargo. Once fully operational, it will handle 90 MPPA and 2.6 million tonnes of cargo, easing congestion at CSMIA and boosting regional connectivity via road, metro, suburban rail, and water transport.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

DESHBANDHU | DELHI | 10 MARCH 2025

एयरपोर्ट से प्रभावित गांव में दिन-रात चल रहा अवैध निर्माण

■ एयरपोर्ट से प्रभावित गांव मे हो रहे अवैध निर्माण के लिए निर्माण सामग्री ले जा रहे दो दर्जन ट्रैक्टरों पर कार्रवाई

जेवर, 9 मार्च (देशबन्धु)। क्षेत्र मे बन रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के तीसरे चरण से प्रभावित 14 गांव में बिना अनुमति के हो रहे अवैध निर्माण को रोकने के लिए कार्रवाई शुरू हो गई है। रविवार को इन गांवों में निर्माण सामग्री लेकर जा रहे दो दर्जनों के करीब ट्रैक्टरों को तहसील प्रशासन के साथ मिलकर पुलिस ने पकड़ उनको सीज किया और गांव मे पहुंच अवैध निर्माण को रुकवाया गया। एयरपोर्ट के विस्तार के लिए तीसरे चरण में 14 गांव थोरा, नीमका, ख्वाजपुर, रामनेर, किशोरपुर, बनवारीवास, पारोही, सिवारा, साबौता, चौरोली, बंकापुर आदि का भूमि अधिग्रहण होना है। वहीं कुछ लोग अधिग्रहण का अधिक लाभ उठाने के लिए अवैध रूप से इन गांवों में अवैध निर्माण मकान बना रहे है, ताकि अधिक लाभ अर्जित किया जा सके। तहसील प्रशासन ने तीन दिन पहले इन गांव को जाने वाली निर्माण सामग्री पर रोक लगा दी थी। वहीं रविवार को तहसीलदार तनुजा व तहसीलदार प्रतीक सिंह कस्बे के खुर्जा रोड व एयरपोर्ट रोड पर पुलिस टीम के साथ पहुंचे और निर्माण सामग्री लेकर जाने वाले दो दर्जनों के करीब ट्रैक्टरों को पकड़ा। इन ट्रेक्टरों मे ईंट, बालू, रोड़ी, डस्ट आदि भरा हुआ था। उपजिलाधिकारी अभय कुमार सिंह ने बताया कि सभी ट्रैक्टर ओवर लोड थे और इनको सीज किया गया है। वहीं प्रभावित गांव में पहुंच अवैध निर्माण कार्यों को भी रुकवाया गया है। आगे निर्माण कार्य करते पकड़े जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी और अगर भूमि किसी और की और निर्माण कार्य में रुपया किसी और का लगा होगा तो उनको भू माफिया घोषित कर उनपर गैंग स्टर की कार्रवाई होगी। उन्होंने बताया कि भूमि मुआवजा राशि में अवैध रूप से बढ़ोतरी किये जाने व राज्य सरकार को होने वाली वित्तीय क्षति को रोका जा सकेगा और मुआवजे के लालच में बन रहे मकान के गिरने आदि कारण से हादसा होने पर मालिकों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मुकदमा भी कराया जाएगा। वहीं कोतवाली प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि सभी 18 ट्रैक्टरों को सीज किया गया है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN DELHI 10 MARCH 2025

आज से हिंडन से मुंबई के लिए उड़ान शुरू

जागरण संवाददाता, साहिबाबाद: हिंडन एयरपोर्ट सिविल टर्मिनल से सोमवार से मुंबई के लिए उड़ान सेवा शुरू हो जाएगी। एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट उड़ान भरेगी। वहीं बेंगलुरु के लिए दूसरी सेवा भी शुरू होगी। एअर इंडिया एक्सप्रेस ने 10 मार्च से हिंडन एयरपोर्ट से मुंबई के लिए सेवाएं शुरू करने जा रही है। इसके लिए बुकिंग भी शुरू थी। मुंबई से फ्लाइट सुबह साढ़े नौ बजे उड़ान भरेगी, जो दोपहर 12:10 पर हिंडन एयरपोर्ट पहुंचेगी। हिंडन एयरपोर्ट से दोपहर एक बजे उड़ान भरेगी, जो करीब पौने चार बजे मुंबई पहुंचेगी। वहीं, एअर इंडिया एक्सप्रेस की बेंगलुरु के लिए दूसरी फ्लाइट भी हिंडन एयरपोर्ट से सोमवार को शुरू होगी। हिंडन से सुबह 8:40 बजे बेंगलुरु के लिए जाएगी। बेंगलुरु से सुबह 4:45 हिंडन के लिए उड़ान भरेगी। हिंडन एयरपोर्ट के निदेशक उमेश यादव ने बताया गोवा, कोलकाता, बेंगलुरु के बाद एअर इंडिया सोमवार से मुंबई के लिए सेवाएं शुरू करेगा। वहीं बेंगलुरु के लिए दूसरी सेवा भी शुरू होगी। लगातार यहां यात्रियों की संख्या बढ़ रही है। एनसीआर व पश्चिम उत्तर प्रदेश के कई जिलों से लोग यहां से यात्रा करने आ रहे हैं।

गाजियाबाद स्थित हिंडन एयरपोर्ट ● जागरण आर्काइव

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN KANPUR 9 MARCH 2025

एयरपोर्ट पर 82 साल की वृद्धा को नहीं मिली व्हीलचेयर, गिरने से हालत गंभीर

जासं, नई दिल्ली : इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आइजीआइ) एयरपोर्ट के टर्मिनल तीन पर एअर इंडिया के स्टाफ की ओर से व्हीलचेयर उपलब्ध कराने से कथित तौर पर इन्कार किए जाने के कुछ देर बाद 82 वर्षीय बुजुर्ग महिला गिर गईं। फिलहाल उनका बेंगलुरु के अस्पताल में इलाज चल रहा है। स्वजन ने इसे लेकर एक्स पर पोस्ट कर अपना दर्द बयां किया है। हालांकि एअर इंडिया ने आरोप का खंडन किया है।

राज पसरीचा

स्वर्गीय लेफ्टिनेंट जनरल की पत्नी राज पसरीचा गत चार मार्च को बेंगलुरु जा रही थीं। आइजीआइ एयरपोर्ट के टर्मिनल तीन पर पैदल चलने के दौरान वह फर्श पर गिर गईं। आरोप है कि एयरलाइन ने उन्हें पहले से बुक की गई व्हीलचेयर उपलब्ध नहीं कराई। उधर, आरोपों का खंडन करते हुए एअर इंडिया ने कहा कि बुजुर्ग महिला प्रस्थान के निश्चित समय से काफी देर से पहुंची थी। उस समय व्हीलचेयर की मांग ज्यादा होने के कारण उन्हें नहीं मिल सकी। इंतजार करने का दावा निराधार है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE ECONOMIC TIMES DELHI 10 MARCH 2025

Strike Set to Disrupt German Airports Today

Almost all German airports, including the country's major hubs in Frankfurt, Munich and Berlin, face disruptions Monday after labour union Ver.di called on ground personnel, baggage handlers and security staff to go on a one-day strike. Major restrictions on departures and arrivals, including widespread flight cancellations, are expected. In general, the strikes will start Sunday night and end 24 hours later, the union said in a statement on Sunday. The Hamburg airport's website said it is already closed due to the walkout. "The strikes are cutting off an entire country from air traffic," said Ralph Beisel, managing director of airport association ADV. "We appeal to Ver.di to consider the interests of passengers and to seek an amicable solution at the negotiating table." **Bloomberg**

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN DELHI 10 MARCH 2025

नोएडा एयरपोर्ट से उड़ान की तारीख पर आज फैसला

ग्रेटर नोएडा, कार्यालय संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने कहा है कि नोएडा एयरपोर्ट से उड़ान शुरू करने पर सोमवार को लखनऊ में फैसला हो सकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लखनऊ में एयरपोर्ट की प्रगति की समीक्षा बैठक करेंगे।

बैठक में नागरिक उड्डयन महानिदेशालय, एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया, नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बकास), नायल और यापल समेत टाटा प्रोजेक्ट के अधिकारियों को बुलाया गया है। उनका कहना है कि अप्रैल माह में उड़ान शुरू किए जाने का पूरा प्रयास है।

मुंबई और बेंगलुरु के लिए आज से उड़ान

हिंडन एयरपोर्ट से आज मुंबई के लिए विमान उड़ान भरेगा। वहीं, बेंगलुरु के लिए दिन में दूसरी उड़ान की भी शुरुआत होगी। यहां से अब तक गोवा, बेंगलुरु, कोलकाता, आदमपुर, लुधियाना, बठिंडा, किशनगढ़ और नांदेड़ के लिए विमान की सुविधा थी।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE HINDUSTAN TIMES DELHI 10 MARCH 2025

{ FINANCIAL CAPITAL }

In Navi Mumbai airport, plans for an exclusive new terminal for A-list celebrities, VVIP flyers

The terminal is set to be developed by 2030. BACHCHAN KUMAR/ HT PHOTO

Neha LM Tripathi
letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: Movie stars, billionaire businessmen and top politicians could soon fly in and out of a separate terminal dedicated exclusively to them, with the upcoming Navi Mumbai International Airport (NMIA) planning to build one in the next phase of expansion, which will begin after the commercial inauguration of the new airport, documents show.

The dedicated terminal is set to be developed by 2030, under the third phase of development at NMIA. HT has reviewed documents which confirm that the construction of the VVIP terminal will begin in FY 26 and be concluded by 2030.

"The exclusive terminal will cater to not only central and state government officials, governors, chief ministers, deputy

continued on →7

NAVI MUMBAI AIRPORT

chief ministers, defence officials and other officials from the government but also act like a general aviation terminal catering to film personalities and other stars," an official said, requesting anonymity. The complete criteria for who will be deemed eligible will be determined at a later stage, the official added.

"The exclusive building that is currently being termed as the VVIP terminal will also be used by the family of the promoters of the airport," the official said, adding that general aviation operations will also happen exclusively from this terminal.

Despite repeated attempts, airport operator Navi Mumbai International Airport Ltd (NMIAL) did not respond to HT's queries on the development.

The existing airport in Mumbai does not have a dedicated VVIP terminal. The NMIA, which is managed by NMIAL (a joint venture between Adani Airport Holdings Ltd [AAHL] and City and Industrial Development Corporation of Maharashtra [CIDCO]), is likely to start commercial operations after May 15.

The aviation regulator, Directorate General of Civil Aviation (DGCA), had on February 26 conducted an assessment that revealed that the airport was 90% ready, officials had said. The operator has now applied for the mandatory airport permit, officials confirmed.

NMIA is a greenfield airport aimed to help ease the burden on Mumbai's congested Chhatrapati Shivaji Maharaj International airport (CSMIA), which is a single runway airport. The phase 1 terminal building has a capacity of 20 million passengers per annum (PPA). Navi Mumbai airport is expected to handle 10-12 million PPA, with around 9 million domestic and 3 million international passengers. The airport's Terminal 2 will have a capacity of 30 million PPA and is expected to become operational by the end of 2028.

"A code E taxiway is planned to connect runway 08L/26R at NMIA to the VVIP, Defence, and GA aprons north of the runway," a second official close to the development said.

Code E taxiways accommodate large aircraft with wingspans between 52 and 65 metres and tail heights up to 24 metres. This means that the taxiway will be accessible to large aircraft such as Boeing 747 or Airbus A380.

"The VVIP terminal will offer a secure and exclusive space for VVIPs and approved personnel from the Government of India and related agencies," the above official added.

"Having a VVIP terminal is required for the airport's operations," he said, adding that the terminal will be built in the third phase and will be in the northern part of the airport near the defence facility. Phase 3 will also see the permanent ATC Tower of NMIA being built adjacent to Terminal 2, to be constructed with it in Phase 3.

The ATC is essential for airport operations, required to control air traffic and provide guidance to aircraft for take-off, landing and for ground movements between the runway, apron, and the stands or parking positions.

"The midfield location between the southern and northern runway is ideal for the ATC tower as per a sighting study. Once operational, the interim ATC tower will serve as an alternative control tower for critical airport operations during unforeseen emergencies," the official said.

MANIPUR CONFLICT

halted by security forces at Sekmai before it could reach Kangpokpi district. Manipur police said the procession was stopped as those taking it out did not have requisite permission.

The clashes on Saturday left at least 40 protestors and 27 security personnel injured, with some in critical condition. Police used tear gas and live rounds to disperse the protestors, who threw stones and fired at security forces. Two police vehicles were also set ablaze during the unrest.

Manipur has been in turmoil since May 2023, with clashes between the dominant Meitei community and the Kuki tribes claiming nearly 250 lives and displacing thousands. The violence led to the resignation of chief minister N Biren Singh on February 9, prompting the central government to impose President's Rule and suspend the state assembly from February 13.

Lok Sabha MP from Congress, Angomcha Bimol Akoijam defended the government's decision as a step towards a peaceful Manipur. "Yesterday's 'free movement' initiative by the Union government was not a failure; it was all about timing. I believe it is a step forward

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

MINT DELHI 10 MARCH 2025

Navi Mumbai VVIP terminal for filmstars, politicians, others

The dedicated terminal, an exclusive building, is set to be developed by 2030

Neha LM Tripathi
letters@hindustantimes.com
NEW DELHI

Movie stars, billionaire businessmen and top politicians could soon fly in and out of a separate terminal dedicated exclusively to them, with the upcoming Navi Mumbai International Airport (NMIA) planning to build one in the next phase of expansion, which will begin after the commercial inauguration of the new airport, documents show.

The dedicated terminal is set to be developed by 2030, under the third phase of development at NMIA. *HT* has reviewed documents which confirm that the construction of the VVIP terminal will begin in FY 26 and be concluded by 2030.

"The exclusive terminal will cater to not only central and state government officials, governors, chief ministers, deputy chief ministers, defence officials and other officials from the government but also act like a general aviation terminal catering to film personalities and other stars," an official said, requesting anonymity.

"The exclusive building that is currently being termed as the VVIP terminal will also be used by the family of the promoters of the airport," the official said, adding that general aviation operations will also happen exclusively from this terminal.

Hindustan Times

Despite repeated attempts, airport operator Navi Mumbai International Airport Ltd (NMIAL) did not respond to *HT*'s queries on the issue.

The existing airport in Mumbai does not have a dedicated VVIP terminal. The NMIA, which is managed by NMIAL—a joint venture between Adani Airport Holdings Ltd and City and Industrial Development Corporation of Maharashtra—is likely to start commercial operations after 15 May.

The aviation regulator, Directorate General of Civil Aviation, had on 26 February conducted an assessment that revealed that the airport was 90% ready, officials had said.

The operator has now applied for the mandatory airport permit, officials confirmed.

NMIA is a greenfield airport aimed to help ease the burden on Mumbai's congested Chhatrapati Shivaji Maharaj International airport, which is a single runway airport. The phase 1 terminal building has a capacity of 20 million passengers per annum.

Navi Mumbai airport is expected to handle 10-12 million passengers per annum, with around 9 million domestic and 3 million international passengers. The airport's Terminal 2 will have a capacity of 30 million passengers per annum and is expected to become operational by the end of 2028.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA DELHI 10 MARCH 2025

New Mumbai Flight And Second To B'luru: Hindon Terminal Ops Expand

Focus On Capacity Enhancement, Small Terminal Will Get Saturated In A Mth

Abhijay.Jha
@timesofindia.com

Ghaziabad: The civil terminal at the Hindon air force base will see a second jump in its footfall this month as two new daily flights begin operations on Monday.

Both run by Air India Express, one will be a morning flight to Bengaluru, the airline's second from the terminal, and the other a post-midday flight to Mumbai.

The introduction of the Mumbai flight means the Hindon terminal will be connected to three of the four metros, all through AI Express which started a flight to Kolkata from March 1. The terminal's metro circuit will be complete later this month when AI Express begins a daily Chennai flight. Beyond metros, AI Express also has a flight to Goa from the terminal and will likely start a Bhubaneswar flight from March 30 (announced by the Odisha CM on Saturday, but yet to be confirmed by the airline). The Chennai flight will do a Jammu-Hindon-Chennai circuit.

Opened pre-Covid in 2019, the terminal's utility has only become apparent this month after AI Express became the first frontline airline to announce flights from Hindon. Located in the heart of Ghaziabad and surrounded by the urban sprawl of NCR to Delhi's east – from where IGI airport is 30-40km away – its catchment is huge. That has been evident to all in the 10 days AI Express has been operating from here.

The second Bengaluru flight is the result of good response to the first. "The flight from Bengaluru to Hindon was received quite well as the occupancy on this route was over 90%. So, from March 10, we decided to introduce one more service on the Hindon-Bengaluru route," an AI Express official told **TOI**, attributing the response to Noida's IT sector getting a direct connection to India's Silicon Valley.

From March 10, the Bengaluru flight will arrive at the terminal at 7.40am and depart at 8.40am. The flight will touch down Owing to demand on the Bengaluru route, Air India Express from March 10 will introduce a direct flight on the route. It will arrive at Hindon at 7:40 am and will depart back to Bengaluru at 8:40 am. The other one is an afternoon flight, which departs for Bengaluru at 3.45pm.

Response to the flight to Mumbai – adding another connection from the capital, but for the first time from an airport other than IGI, to India's busiest flying route – will be closely watched. The Mumbai flight will land at 12.10pm and depart at 1.10pm.

Average occupancy on the Goa and Kolkata routes is around 65%, sources said.

For a terminal that had before this March seen only Udan flight by second-tier airlines, and in phases no flight at all, this windfall is suddenly testing its capacity. With Udan connections to five cities – Nanded, Adampur, Bhatinda, Kishaganj and Ludhiana – the airline will from Monday have flights to nine cities, potentially rising to 13 by month-end.

Sources said talks are also on to start flights from the Hindon terminal to Varanasi and Lucknow.

"Hindon Civil Terminal was written off, but it is showing how viable it is," said Ghaziabad MP Atul Garg, who has been actively working to get more flight routes started from the terminal, citing its large catchment area, which includes west UP. In fact, thanks to rapid rail, reaching Hindon terminal from Meerut is easy by taking a train to Ghaziabad station and from there a short cab or auto ride to the terminal.

"Local representatives went the extra mile, meeting the civil aviation minister and Airports Authority of India officials in the last few months to start flights from Hindon, and that has yielded good results," added Garg. "The terminal was developed after acquiring land from farmers from Sikandarpur village, and initially, it was supposed to serve as a stopgap arrangement because land was taken on lease for five years. But the land has been bought now."

If all flights are launched as announced, the terminal will be close to saturation by the end of the month. "Hindon Civil Terminal can manage up to 15 flight services per day with its current infrastructure," terminal director Umesh Yadav said.

Designed to accommodate 300 passengers an hour – arrival and departure combined – internal changes have been made to take this up to 430. The maximum possible is 500. So arrivals and departures need to be spaced out. "The time gap between two flights is about one hour, but in case of delayed arrival or departure of flights, accommodating the footfall will be a problem," Yadav said.

The terminal does not have any scope for expansion unless five acres are acquired. "Talks are already on at the highest level to acquire land," Yadav said.

Besides the holding area, the terminal has other limitations. It has only two parking bays for aircraft, two baggage belts and no aerobridge. "There's a restriction as well. Flight operations from Hindon terminal can take place only between sunrise and sunset because the IAF, which has lent its airstrip for civil operations, does not allow night operations due to security reasons," said the terminal director.

Yadav said facilities, including an aerobridge, will be added soon. "As of now, we have a 200-250 workforce, which includes security personnel from UP Special Security Force, AAI and airline staff. This will be enhanced. Parking capacity within the terminal premises will also be enhanced. The current capacity is 80-100," said Yadav. The planned capacity expansion indicates Hindon is not being merely as a standby till NCR's second international airport in Jewar becomes operational later this year. Because of the size of NCR, the feeling is that there is enough space for the terminal to coexist with IGI and Jewar. Besides, all three hubs are far apart. IGI is on the Delhi-Gurgaon border in the south, and Jewar off Yamuna Expressway on the other fringe of NCR in the east.

An AI Express official said, "The Hindon terminal holds a lot of potential and our airline will ensure more flights from the terminal to the eastern part of the country."

"The need of the hour is to keep upgrading infrastructure in accordance with the increase in flight services at Hindon. Amenities in and around the terminal also need to be improved at the earliest," said Rohan Das, an aviation expert.

The Aerodrome Advisory Committee (ADC) recently held a meeting for capacity enhancement of the terminal as well as facilities like passenger services, round-the-clock medical and ambulance services, and increased police patrolling. Cabbies operating from this area give an idea of where passengers are coming from. Besides Delhi, Noida and Ghaziabad, fliers have also come from Gurgaon, Saharanpur and Meerut.

"In the last few days, I have taken passengers from Hindon terminal to Noida, Delhi and even Gurgaon. People are also going to Saharanpur, Hapur and Bulandshahr," said a cab driver with an aggregator.

FLYING TIMES FROM HINDON FOR AI EXPRESS

Photos: Umesh Kumar

Arrivals

From	Time
Bengaluru	7.40am
Kolkata	9.30am
Mumbai	12.10pm
Bengaluru	3.15pm
Goa	4.40pm

Departures

To	Time
Bengaluru	8.40am
Goa	10.30am
Mumbai	1.10pm
Bengaluru	3.45pm
Kolkata	5.20pm

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA DELHI 10 MARCH 2025

82-yr-old's fall at IGI: DGCA seeks report from Air India

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: The Directorate General of Civil Aviation (DGCA) has sought a detailed report from Air India after an 82-year-old woman suffered a fall at Delhi Airport, allegedly due to the airline's failure to provide a pre-booked wheelchair.

DGCA officials met the woman's family members in Bengaluru on Sunday. Air India has been asked to submit a report with evidence by Monday, according to sources.

TOI had reported that the elderly woman, the widow of a decorated Lt General, was undergoing treatment in the intensive care unit of a hospital in Bangalore. The woman's granddaughter, Parul Kanwar, claimed on X that, with no other option, the octogenarian tried to walk with the support of a family member but collapsed near an Air India counter. The incident occurred on March 4 when the woman and her family members were to board a flight from Delhi to Bangalore. Her family lodged a complaint with DGCA.

However, an Air India spokesperson said the passenger, traveling with her family members, arrived at the departure terminal much later than the recommended two hours before departure. "Due to the unprecedented peak demand at that hour, a wheelchair could not be made available within the 15 minutes that the passenger's relatives spent waiting for it, and on their own accord, the passenger decided to walk with those accompanying her," said Air India.

"With no other option, this elderly woman slowly made her way across three parking lanes at T3 on foot with assistance from a family member. She managed to enter the airport on foot, yet no wheelchair or assistance was provided. Ultimately, her legs gave way, and she fell in front of the Air India premium economy counter," said Kanwar in her post.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA AHMEDABAD 9 MARCH 2025

Denied wheelchair, woman, 82, falls at IGIA, critical; AI refutes claim

Yashaswini Sri, Nithya Mandyam & Priyangi Agarwal | TNN

Bengaluru/New Delhi: An 82-year-old woman suffered a fall at Delhi's IGI Airport, allegedly after Air India failed to provide a pre-booked wheelchair, and is undergoing treatment in ICU at Command Hospital Air Force in Bengaluru.

Raj Pasricha, wife of a decorated Lt-General, had arrived at Delhi airport to board a flight to Bengaluru on March 4, when she was forced to walk with support of a family member due to non-availability of a wheelchair, but collapsed near the Air India counter, her granddaughter Parul Kanwar shared in a post on X. She also alleged the airline staff refused to help her grandmother.

The airline refuted the claims, and said the passenger arrived to board the flight much later than the recommended two hours prior to departure. "Due to the unprecedented peak demand at that hour, a wheelchair could not be made available within the 15 minutes the passenger's relatives spent waiting for it, and on their own accord, the passenger decided to walk along with those accompanying her," said an AI official, adding the flyer was provided all assistance.

FLIGHT MESS

AI's statement came after Kanwar said they spent nearly an hour seeking help from Air India staff and the airport help desk. Another airline, which had a free wheelchair, refused to share it, she said. According to Kanwar, no staff member stepped in to help when her grandmother fell at the airline's premium economy counter at the terminal.

The wheelchair only arrived after Pasricha fell, and she was boarded onto the flight "without a proper check-up, with a bleeding lip and injury to her head and nose", the family said.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA BANGALORE 9 MARCH 2025

Woman, 82, denied wheelchair at IGI, lands in ICU after airport fall

Yashaswini Sri, Nithya Mandyam & Priyangi Agarwal | TNN

Bengaluru/New Delhi: An 82-year-old woman suffered a fall at Delhi's IGI Airport, allegedly after Air India failed to provide a pre-booked wheelchair, and is undergoing treatment in ICU at Command Hospital Air Force in Bengaluru.

Raj Pasricha, wife of a decorated Lt-General, had arrived at Delhi airport to board a flight to Bengaluru on March 4, when she was forced to walk with support of a family member due to non-availability of a wheelchair, but collapsed near the Air India counter, her granddaughter Parul Kanwar shared in a post on X. She also alleged the airline staff refused to help her grandmother.

AI DENIES CLAIMS

- **82-yr-old woman critical** after fall at Delhi airport
- Allegedly she was denied **pre-booked wheelchair by AI**
- Collapses after **walking without help** at Delhi airport
- **Suffers brain stroke,** out of ICU after treatment
- Family alleges negligence; **Air India denies claims**

The airline refuted the claims, and said the passenger arrived to board the flight much later than the recommended two hours prior to departure. "Due to the unprecedented peak demand at that hour, a wheelchair could not be made available within the 15 minutes the passenger's relatives spent waiting for it, and on their own accord, the passenger decided to walk along with those accompanying her," said an AI official, adding the flyer was provided all assistance.

AI's statement came after Kanwar said they spent nearly an hour seeking help from Air India staff and the airport help desk. Another airline, which had a free wheelchair, refused to share it, she said. According to Kanwar, no staff member stepped in to help when her grandmother fell at the airline's premium economy counter at the terminal.

▶ **Brain bleeding, P 3**

Passenger being monitored for potential brain bleeding

▶ **Continued from page 1**

The wheelchair only arrived after Pasricha fell, and she was boarded onto the flight "without a proper check-up, with a bleeding lip and injury to her head and nose", the family said.

During the flight, the cabin crew provided ice packs and arranged for medical care upon landing. At Bengaluru airport, a doctor attended to Raj. However, she later developed complications and was admitted to the ICU, where doctors are monitoring her for potential brain bleeding and weakness on the left side.

Kanwar has lodged complaints with both Directorate General of Civil Aviation and Air India, accusing the airline of negligence.

Air India admitted to a delay in providing the wheelchair, but said the claims of the passenger having waited for an hour for it were baseless. "At no point was a wheelchair or any assistance denied to the passenger. Air India staff cooperated with the guests through their journey. We have reached out to the guest's family and we pray for her well-being," the spokesperson said.

> **At no point was a wheelchair or any assistance denied to the passenger. Air India staff cooperated with the guests through their journey. We have reached out to the guest's family and we pray for her well-being**
> Air India spokesperson

The airline added that airport officials and an on-duty doctor immediately administered first aid and offered additional medical attention, which was declined by the family. It also claimed that its staff provided all possible care, including priority check-in and boarding assistance, and medical help upon arrival in Bengaluru.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA MUMBAI 9 MARCH 2025

Denied wheelchair, woman (82) falls at Delhi airport, suffers brain stroke

Flyer Arrived Late, Decided To Walk: AI

Bengaluru/New Delhi: An 82-year-old Bengaluru woman suffered a brain stroke after a fall at Delhi's IGI Airport, allegedly after Air India failed to provide her a pre-booked wheelchair, and landed in ICU at Command Hospital Air Force in Bengaluru, report **Yashaswini Sri, Nithya Mandyam & Priyangi Agarwal**.

Raj Pasricha, wife of a decorated Lt-General, had arrived at Delhi airport to board a flight to Bengaluru on March 4, when she was forced to walk with the support of a family member due to non-availability of a wheelchair, but collapsed near the Air India counter, her granddaughter Parul Kanwar shared in a post on X.

She also alleged that the airline staff refused to help her grandmother.

Her family said late Saturday evening that she had been shifted from ICU, but would be under observation for a couple of days.

AP

FLIGHT MESS

The airline refuted the family's allegations, and said the passenger arrived to board the flight much later than the recommended two hours prior to departure.

"Due to the unprecedented peak demand at that hour, a wheelchair could not be made available within the 15 minutes that the passenger's relatives spent waiting for it, and on their own accord, the passenger decided to walk along with those accompanying her," said an Air India spokesperson, adding that the flyer was provided all assistance.

The airline's statement came after Kanwar claimed the family spent nearly an hour seeking assistance. In fact, another airline, which had a free wheelchair, refused to share it, she said. According to Kanwar, no staff member stepped in to help when her grandmother fell at the airline's premium economy counter at the terminal. When first aid was requested, the family was told to proceed to the medical inspection room on their own.

The wheelchair arrived after Pasricha fell, and she was boarded onto the flight "without a proper check-up, with a bleeding lip and injury to her head and nose", her granddaughter said. During the flight, the crew provided ice packs. Medical care was arranged upon landing.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA MUMBAI 9 MARCH 2025

'ATC would have to deal with obstacles around new airport'

Manju.V@timesofindia.com

Mumbai: The Aeronautical Information Publication (AIP) has listed about 225 obstacles at the Navi Mumbai airport. The AIP gives information on the type of obstacle, its elevation, and location in coordinates. While it was known that the Navi Mumbai airport has obstacles along the approach path, the details of the extent of the hurdles and their relative location to the runway are now out with the AIP.

For instance, a particular building's dish antenna (36.3 metre), grill top (35.8m), staircase room top (34.9m), hoarding top (34m), and parapet wall (31.4m) are listed as obstructions. Among the other obstructions listed are a pipe top, a design top, a ladder top, and so on.

What does this mean for flights operating into the Navi Mumbai airport? The obstacles have been accounted for with a 'displaced threshold' on runway 26.

What it means is that the physical beginning of the runway is not considered the starting point of the runway. For aircraft coming in from the east to land on runway 26, a point 600m down the runway is considered its starting point.

"The air traffic control would have to deal with the restrictions that come with the terrain and obstructions around. They will have restricted manoeuvring space for the aircraft coming in to land and taking off; it will be cramped," said Capt Amit Singh, an air safety expert.

A statement by Navi Mumbai International Airport Pvt Ltd spokesperson said, "AIP takes us a step further towards receiving the aerodrome license essential to operationalise the airport."

AIP PROVIDES INFO ON EXTENT OF HURDLES

Buildings in aerodrome obstacle list categorised by height range:

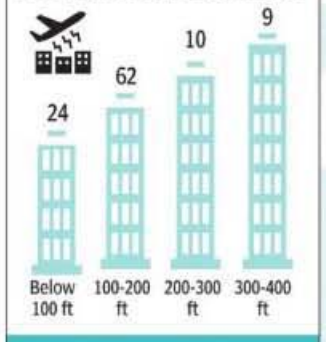

> Too many close obstacles around the runway, on both sides, and high terrain close to the runway may pose restrictions for airlines in terms of aircraft performance
>
> **Capt Amit Singh** | AIR SAFETY EXPERT

Why does the Navi Mumbai airport have so many obstacles in and around the aircraft approach path?

- Technical feasibility for the airport site was completed in 2000
- Soon after, builders acquired land around the proposed site and residential high-rises sprang up
- It was only after 2012 that buildings were granted no-objection certificates (NOCs) by Cidco based on AAI's height restriction parameters for structures within a 20km radius of the airport
- 600m displaced threshold on runway 26 means only 3,100m is the length available for landing, though it is 3,700m long
- But for take-off on the runway—heading west towards Arabian Sea—the entire runway length can be utilised
- Several runways at Indian airports have displaced thresholds due to man-made obstructions along the aircraft approach path
- The most extreme case is Runway 29L at Delhi Airport, with a displaced threshold 1,460m

In India, Aeronautical Information Publication (AIP) published by Airports Authority of India (AAI) states:

- Navi Mumbai AIP, which is effective from May 15, currently hasn't carried departure and arrival routes; these details will be added in the coming weeks
- Currently, it has information on runway, taxiways, aprons, parking bays, fire-fighting and emergency services, fuelling capacity, cargo facilities etc

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA DELHI 10 MARCH 2025

चेन्नई में इंडिगो विमान का पिछला हिस्सा क्षतिग्रस्त होने की जांच शुरू

नई दिल्ली। विमानन नियामक डीजीसीए 8 मार्च को चेन्नई हवाईअड्डे पर इंडिगो के ए321 विमान के पिछले हिस्से के क्षतिग्रस्त होने की जांच कर रहा है। डीजीसीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार यह जानकारी दी। इससे पहले, इंडिगो ने बताया कि एयरबस ए321 विमान का पिछला हिस्सा हवाईपट्टी से टकरा गया था। फिलहाल विमान उड़ान नहीं भर रहा है और जरूरी मरम्मत और मंजूरी के बाद इसे फिर से इस्तेमाल में लाया जाएगा। ब्यूरो

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

BUSINESS LINE DELHI 10 MARCH 2025

Air India gets tech support to cope with rise in wheelchair demand

Aneesh Phadnis
Mumbai

Air India is under fire for the second time in thirteen months for its inability to provide a wheelchair in time to a passenger.

While the airline has refuted the latest allegations, the excessive demand for wheelchairs has prompted Air India to relook at its policies and processes. AISATS, which provides ground handling service to Air India and other airlines, has also introduced a digital solution for better planning and deployment of wheelchairs at Hyderabad and Delhi airports.

On an average, a single long haul flight of Air India has around 40 wheelchair passengers.

The demand varies as per destination and is the highest for US, UK and Canada routes.

POSITIVE RESULTS

Flight delays or change in boarding gates pose another challenge.

To overcome it, AISATS has tied up with Rsmart to implement a digital management system for passengers with reduced mobility.

"The technology represents a significant advancement from previous manual processes and provides our teams with real-time visibility of resources on their mobile devices. It enables dynamic resource allocation in response to flight schedule changes, gate reassignments and fluctuating demand. The initial implementation has already shown some positive results in Hyderabad and Delhi," said an AISATS spokesperson. It will also assist in service quality monitoring in the near future, he added.

An octogenarian passenger, Raj Pasricha, fell inside the Delhi airport after waiting for a wheelchair for one hour on March 4.

Pasricha is now in a hospital ICU under observation. Air India has denied all the claims regarding one hour wait time and denial of medical assistance.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK BHASKAR DELHI 10 MARCH 2025

कंपनी को जानें टर्नअराउंड के बाद...

स्पाइसजेट: ऑपरेटिंग आय बढ़ाना अब भी बड़ी चुनौती

कृष्ण मोहन तिवारी | मुंबई

'स्पाइसजेट 10 साल में पहली बार मुनाफे में आई है। अतीत पीछे छूट गया है। अब हम स्पाइसजेट के लिए एक मजबूत और लचीला भविष्य बनाने पर फोकस कर रहे हैं।' बीते दिनों कंपनी के प्रेसिडेंट और एमडी अजय सिंह की इस घोषणा ने चौंकाया। कंपनी ने बताया कि अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में उसे 26 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा हुआ। बीते साल समान तिमाही में कंपनी 300 करोड़ के घाटे में थी। यह एक ऐसी एयरलाइन के लिए एक बड़ा पल था, जिसके बाजार में बने रहने की उम्मीद कम थी। देनदारियों के चलते दर्जनों मुकदमों में उलझी हुई थी। 2021 में इसकी देनदारियां 14 हजार करोड़ हो गई थी। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, एयरलाइन चलाना दुनिया के सबसे जटिल बिजनेस में से एक है। भारत में ही देखें तो हाल के वर्षों में जेट एयरवेज दिवालिया हो गई। गो फर्स्ट को भी कारोबार समेटना पड़ा। ये लिस्ट लंबी है। इस बाजार में बने रहना किसी जीत से कम नहीं है।

▪ कर्ज का समाधान, समझौते से बैलेंस शीट सुधारी

2024 में कंपनी ने क्यूआईपी के जरिये 3 हजार करोड़ रुपए जुटाए। इसमें 2,300 करोड़ का इस्तेमाल कर्ज चुकाने, लेनदारों को भुगतान करने और कर्मचारियों के पेमेंट में किया गया। कंपनी ने देनदारों से मोलभाव करके बकाए को रिस्ट्रक्चर किया। मसलन, स्पाइसजेट 1,200 करोड़ में 1,700 करोड़ के विमान और इंजन लीजिंग विवाद निपटाने में सफल रही। ऐसे ही अन्य कंपनियों के साथ समझौते करके बैलेंस शीट को साफ किया।

फ्लीट रिस्ट्रक्चर करके लागत घटाई

कंपनी ने अपनी फ्लीट को रिस्ट्रक्चर किया। अगर इसे काफी बड़ा रखती तो ऊंची लागत का सामना करना पड़ता। लेकिन छोटा करने पर बाजार हिस्सेदारी गंवाने का जोखिम भी था। कंपनी ने लचीली व्यवस्था अपनाई। 2019 में 118 विमान थे, लेकिन 2024 तक 39 रह गए। अब कंपनी 2026 तक 100 से अधिक विमान रखने की योजना बना रही है।

▪ तय समय पर फ्लाइट सर्विस सबसे बड़ी चुनौती

अक्टूबर-दिसंबर में स्पाइसजेट का पैसेंजर लोड फैक्टर (पीएलएफ) 87% रहा। प्रति किलोमीटर उपलब्ध सीट आय (आरएएसके) भी सुधरकर 4.57 रुपए रहा। हालांकि किसी भी एयरलाइंस के लिए समय पर प्रदर्शन (ओटीपी) सबसे महत्वपूर्ण है। यहां कंपनी मात खा रही है। इस साल जनवरी में स्पाइस जेट का ओटीपी 54.8% था, जो इंडस्ट्री में सबसे कमजोर है। 75.5% के साथ इंडिगो इस मामले में सबसे बेहतर है। 2024 में स्पाइसजेट की कैंसिलेशन रेट ऊंची 1.8% रही, जबकि इंडिगो की 1.1% थी।

ऑपरेशनल रेवेन्यू घट रहा, ऐसे में स्पाइसजेट ने वापसी की, यह कहना जल्दबाजी होगी...

भास्कर एक्सपर्ट

हर्षवर्धन
एविएशन एक्सपर्ट

अक्टूबर-दिसंबर तिमाही की बैलेंस शीट देखें तो सिर्फ अन्य इनकम में सुधार हुआ है। बाकी सारे पैरामीटर्स निगेटिव हैं। आय भी 25% घटी है। कंपनी ने बताया है कि उसने लीजेज को निगोशिएट किया। इससे बड़ी राशि राइट बैक की है। इक्विटी में भी सुधार आया है। इससे कंपनी के लिए ब्याज दर कम हो गई। ये एक तरह की फाइनेंशियल इंजीनियरिंग है। ऐसे में स्पाइसजेट ने वापसी की है, ये कहना जल्दबाजी होगी। ऑपरेशन से कंपनी की आय नहीं बढ़ रही है, जो ग्रोथ के लिए जरूरी है। ये बड़ी चुनौती है। इस बीच रुपया कमजोर होने से एयरलाइंस की लागत बढ़ रही है। इस बीच स्पाइसजेट की बाजार हिस्सेदारी घटकर 3.2% रह गई, जो 2014 में 17% थी। इंडस्ट्री में ट्रैफिक बढ़ने से डिमांड बढ़ रही है। इससे स्पाइसजेट जैसी कंपनियां सस्टेन कर सकती है, पर बढ़ती लागत के बीच ग्रोथ हासिल करना आसान नहीं है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

RS DAINIK JAGRAN DELHI 10 MARCH 2025

पहली बार प्राइवेट कंपनी ने बनाया एलसीए एमके1ए का पिछला हिस्सा

- अल्फा टोकोल इंजीनियरिंग सर्विसेज ने एचएएल को सौंपा रियर फ्यूजलेज
- रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में यह प्रगति का प्रमाण : राजनाथ

बेंगलुरु में रविवार को हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) एमके1ए का रियर फ्यूजलेज सौंपे जाने से संबंधित समारोह के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वायुसेना प्रमुख एपी सिंह तथा एचएएल के चेयरमैन एवं एमडी डीके सुनील। एएनआइ

बेंगलुरु, प्रेट्र : रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहे भारत की सरकारी और निजी क्षेत्र की कंपनियां कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही हैं। इसकी मिसाल रविवार को उस समय देखने को मिली जब पहली बार एक प्राइवेट कंपनी अल्फा टोकोल इंजीनियरिंग सर्विसेज ने हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) एमके1ए का पिछला हिस्सा या रियर फ्यूजलेज तैयार कर हिंदुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को सौंप दिया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसे भारत के रक्षा विनिर्माण की ऐतिहासिक यात्रा में मील का पत्थर बताया है। फ्यूजलेज, विमान का मुख्य हिस्सा होता है, जबकि रियर फ्यूजलेज टेल सेक्शन और उससे जुड़े कलपुर्जों को सहारा देता है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की उपस्थिति में एचएएल के विमान प्रभाग में अल्फा टोकोल इंजीनियरिंग सर्विसेज ने एमके1ए का पिछला हिस्सा सौंपा। रक्षा मंत्री ने कहा, यह रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत की प्रगति और सार्वजनिक-निजी भागीदारी बढ़ाने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

देश के रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्र का फ्यूजलेज है एचएएल : रक्षा मंत्री ने एचएएल को देश के रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्र का फ्यूजलेज बताया, जिसके साथ एलएंडटी, अल्फा टोकोल, टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स और वीईएम टेक्नोलाजीज जैसी प्राइवेट कंपनियां रियर फ्यूजलेज की भूमिका निभा कर एचएएल को मजबूत कर रही हैं।

रक्षा मंत्री ने कहा, हमारे साहसी वायु योद्धा देश के लिए अमूल्य योगदान दे रहे हैं, वहीं स्वदेशी उपकरण उन्हें अतिरिक्त ताकत दे रहे हैं, जिसके साथ वे हमारी सीमाओं की रक्षा करते हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि एचएएल और निजी क्षेत्र हर चुनौती को पार करते हुए सशस्त्र बलों को हर तरह से मजबूत करेंगे।

एचएएल ने 83 एलसीए एमके1ए के लिए प्रमुख माड्यूल की आपूर्ति के लिए एलएंडटी, अल्फा टोकोल इंजीनियरिंग सर्विसेज, टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (टीएएसएल), वीईएम टेक्नोलाजीज और लक्ष्मी मिशन वर्क्स (एलएमडब्ल्यू) जैसी विभिन्न भारतीय प्राइवेट कंपनियों को आर्डर दिए थे। एचएएल ने पहले ही 12 एलसीए एमके1ए रियर फ्यूजलेज बना लिया है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN DELHI 10 MARCH 2025

दिल्ली से गोरखपुर पहुंची फ्लाइट में तकनीकी दिक्कत आने से संचालन प्रभावित रहा

स्पाइस जेट के विमान में खराबी से 2200 यात्री कई घंटे फंसे रहे

मुसीबत

गोरखपुर, मुख्य संवाददाता। दिल्ली से गोरखपुर पहुंची स्पाइस जेट की फ्लाइट में खराबी आ जाने से रविवार को उतरने वाले छह विमानों के 900 से ज्यादा यात्री तीन घंटे या उससे ज्यादा समय तक फ्लाइट में ही फंसे रहे। उधर, इन्हीं विमानों से वापस दिल्ली, मुम्बई, हैदराबाद, बेंगलुरु और कोलकाता जाने वाले 1100 यात्रियों का चेकइन एरिया में घंटों इंतजार करना पड़ा।

दिल्ली जाने वाले स्पाइस जेट के 200 यात्रियों को मजबूरन लौटना पड़ा। करीब चार घंटे तक विमानों का संचालन बुरी तरह से प्रभावित रहा। कोई सटीक जानकारी न मिलने से यात्रियों ने जमकर हंगामा करते हुए एयरपोर्ट प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। शाम सवा सात बजे के बाद एक-एक कर लैंड हुईं फ्लाइट में से अकासा को छोड़कर बाकी रात आठ बजे के बाद गोरखपुर से उड़ानें भर सकीं।

दिल्ली से आने वाली स्पाइज जेट का विमान एसजी 139 करीब अपराह्न 2 बजे लैंड तो कर गया। लेकिन ढाई बजे जब उड़ने को तैयार हुआ तो अचानक उसमें कोई खराबी आ गई। काफी प्रयास के बाद भी वह ठीक नहीं हो सका। दिल्ली जाने वाले 200 यात्रियों को मजबूरन एयरपोर्ट से लौटना पड़ा। इस बीच इंडिगो, अकासा, एलायंस एयर की दिल्ली, मुम्बई और कोलकाता की छह फ्लाइट एक-एक कर लैंड कर गईं लेकिन स्पाइस जेट का विमान न हटने से लैंड करने वाले विमानों के कोलकाता और दिल्ली से आने वाले 900 से ज्यादा यात्री तीन घंटे तक फ्लाइट में ही फंसे रहे।

एक तरफ जहां 900 से अधिक यात्रियों को फ्लाइट में घंटों इंतजार करना पड़ा, वहीं दूसरी ओर 1100 यात्रियों को चेकइन एरिया में इंतजार करना पड़ा।

गोरखपुर में रविवार को स्पाइस जेट विमान में खराबी आने के बाद विमान में बैठे यात्री। • हिन्दुस्तान

900 से ज्यादा यात्री फ्लाइट में तीन घंटे तक फंसे रहे

200 यात्रियों को मजबूरन लौटना पड़ा, हंगामा

विमान के पायलट की ड्यूटी हो गई थी पूरी

काफी कोशिशों के बाद एसजी 139 में आई तकनीकी खराबी दूर तो हो गई लेकिन तब तक पायलट के 12 घंटे पूरे हो चुके थे। ऐसे में डीजीसीए के मानकों के हिसाब से पायलट ने विमान उड़ाने से इनकार कर दिया।

"स्पाइस जेट के एसजी 139 विमान में खराबी आ जाने से वह टेकऑफ नहीं कर पा रहा था। मजबूरन यात्रियों को इंतजार करना पड़ा।-आरके परासर, एयरपोर्ट निदेशक

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE HINDU DELHI 10 MARCH 2025

DGCA asks Air India to submit report after woman suffers fall

The Hindu Bureau
NEW DELHI

The Directorate General of Civil Aviation (DGCA) has sought a detailed report from Air India after an 82-year-old passenger suffered a fall at the Delhi airport following an alleged delay in providing her a wheelchair. The woman had to be admitted to the intensive care unit for a stroke.

"We have asked Air India for a detailed report with evidence by Monday," a senior DGCA official told *The Hindu*.

A team of DGCA officials met the family of the octogenarian at the IAF's Command Hospital in Bengaluru on Sunday. The family formally submitted a written complaint.

Raj Pasricha

Alleged delay

The woman, Raj Pasricha, sustained head and facial injuries at the Delhi airport on March 4 due to a fall while she was making her way to the check-in counter following an alleged delay in providing her a wheelchair. The wheelchair had been booked at the time of purchasing the air ticket for her flight to Bengaluru.

She was administered first aid at the Delhi airport but continued bleeding throughout the journey and was administered stitches upon arrival at the Bengaluru airport.

Air India maintains that the passenger arrived only 90 minutes before the flight, while the airline recommends reporting at least two hours before departure. Check-in counters close 60 minutes before departure.

The woman was in the ICU for four days after she was brought to the Command Hospital on March 5. She was placed under the "dangerously ill" category.

On Saturday, she was moved to the family ward. Her family told *The Hindu* that Ms. Pasricha is still weak and will be under observation for a few more days. She may also need physiotherapy for the next few months due to weakness in the left side of her body.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE HINDU DELHI 10 MARCH 2025

DGCA orders probe after IndiGo plane scrapes runway

Jagriti Chandra
NEW DELHI

The tail section of an IndiGo Airbus A321 aircraft scraped the runway at the Chennai airport on Saturday during landing, in what is at least the sixth such incident for the airline in the past two years.

The DGCA is investigating the tail strike incident, which occurred when IndiGo's 6E-5325 Mumbai-Chennai flight was making a landing. The aircraft, registered as VT-IBI, landed at 1.55 p.m. in Chennai on Saturday.

IndiGo stated in a statement that the aircraft has since been grounded and will return to operations post repairs and clearance.

A senior DGCA official explained that the investigation will look into crew technique during approach, wind conditions as well as the flap setting used for which IndiGo had received a penalty from the regulator in the past.

The same aircraft was involved in a tail strike on September 9, 2024, following which it was grounded till February 6 due to the extent of damage, which extended from the wings to the tail.

The event was categorised as a serious incident as there was a high probability of an accident, and the investigation was handed over to the Aircraft Accident Investigation Bureau (AAIB). The report into the September tail strike has not yet been released.

AAIB sources said that they have collected inputs from Airbus on the September tail strike but they are yet to determine whether the tail strike occurred in Delhi or Bengaluru. *The Hindu* reported on September 20, 2024, that though the aircraft was grounded in Bengaluru after a flight from Delhi when airline personnel noticed damage to the fuselage. However, according to multiple sources in the airline, the aircraft had arrived at the Delhi airport with the damaged belly, where engineering personnel and pilots failed to notice the scrape marks, and the aircraft was released for its flight to Bengaluru. A mandatory walkaround, or an inspection of the aircraft, was not carried out at the Delhi airport because it was raining. The airline also suspended an aircraft maintenance engineer.

The incident occurred when IndiGo's 6E-5325 Mumbai-Chennai flight was landing in Chennai on Saturday. SPECIAL ARRANGEMENT

Such a lapse poses a hazard to passenger safety as there could be potential damage to the pressurisation system located in this part of the aircraft, impacting oxygen levels in passenger cabin.

Extended length

Airbus pilots say that the A321 aircraft are more prone to tail strikes due to their extended length as compared with the Airbus A319 and A320. The A321 is 6.94 metres longer than the A320 and requires a more delicate angle of inclination at the time of landing and take-off.

In July 2023, the DGCA imposed a penalty of ₹30 lakh on IndiGo after recording at least six tail strikes involving Airbus A321 Neos. It found "systemic deficiencies pertaining to operations, training procedures and engineering procedures".

Specifically there was a concern with the use of a "flap" configuration recommended by IndiGo to its pilots in order to reduce fuel consumption and save costs. Flaps are movable surfaces on the trailing edge of an aircraft's wings that help control lift and drag [or friction].

A senior DGCA official explained that "as a company policy, the crew were asked to carry out flap 3 landing every time, which is not in line with the Airbus Flight Crew Operating Manual (FCOM) procedures".

IndiGo was advised that the "flap 3 landing" recommended by it should be left to the pilot's discretion. A flap 3 landing instead of a full flap or flap 4 landing impacts landing performance and helps achieve lower fuel burn of up to 20 kg to 30 kg per landing, some pilots say.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

THE HINDU CHENNAI 9 MARCH 2025

INBRIEF

SpiceJet in soup as 3 lessors, ex-pilot file insolvency pleas

SpiceJet is facing fresh round of troubles as three Ireland-based aircraft lessors – NGF Alpha, NGF Genesis and NGF Charlie – and a former pilot have filed petitions under Section 9 of the IBC, seeking initiation of insolvency proceedings against SpiceJet claiming dues totalling $12.68 million (about ₹110 crore). SpiceJet, during the proceedings of the National Company Law Tribunal, earlier this week, sought some time to resolve the matter as settlement talks were on. PTI

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

JANSATTA DELHI 10 MARCH 2025

विमान क्षतिग्रस्त होने की डीजीसीए ने शुरू की जांच

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 9 मार्च।

विमानन नियामक, नागर विमानन निदेशालय(डीजीसीए) ने चेन्नई हवाई अड्डे पर इंडिगो ए 321 विमान के पिछले हिस्से के क्षतिग्रस्त होने की जांच शुरू कर दी है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

इंडिगो ने रविवार को कहा कि एक दिन पहले, चेन्नइ हवाई अड्डा पर उतरने के दौरान एअरबस ए 321 विमान का पिछला हिस्सा हवाई पट्टी से टकरा गया था। एअरलाइन ने एक बयान में कहा कि विमान उड़ान नहीं भर रहा है और जरूरी मरम्मत और मंजूरी के बाद दोबारा इसे इस्तेमाल में लाया जाएगा। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इस घटना की जांच की जा रही है। जांच रिपोर्ट के आधार पर इस मामले में अगली कार्रवाई होगी।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

LOKSATYA DELHI 10 MARCH 2025

हेरिटेज एविएशन द्वारा 11 मार्च से नई उड़ान सेवाएं शुरू

नई दिल्ली, लोकसत्य। उत्तराखंड में यात्रा को और अधिक आसान और तेज बनाने के उद्देश्य से हेरिटेज एविएशन 11 मार्च 2025 से नई हेलिकॉप्टर सेवा शुरू करने जा रहा है। यह सेवा केंद्र सरकार की उड़ान (यूडीएएन) योजना के तहत संचालित होगी और राज्य के प्रमुख शहरों जैसे देहरादून, नैनीताल, बागेश्वर और हल्द्वानी को आपस में जोड़ेगी। इस सेवा का मुख्य उद्देश्य कुमाऊं और गढ़वाल के बीच की दूरियों को कम करना और यात्रियों को एक तेज, सुगम और सुविधाजनक यात्रा का अनुभव प्रदान करना है।इस नई हेलिकॉप्टर सेवा के शुरू होने से अब पहाड़ी क्षेत्रों में होने वाली लंबी और थकाऊ सड़क यात्राओं से यात्रियों को राहत मिलेगी। जहां देहरादून से नैनीताल तक की सड़क यात्रा आमतौर पर 6 से 7 घंटे का समय लेती है, वहीं इस हेलिकॉप्टर सेवा के माध्यम से यह सफर मात्र 50 मिनट में पूरा किया जा सकेगा। इसी तरह अन्य मार्गों पर भी यात्रियों को काफी कम समय में अपने गंतव्य तक पहुंचने की सुविधा मिलेगी।हेरिटेज एविएशन द्वारा शुरू की जा रही यह सेवा 7-सीटर हेलिकॉप्टर के माध्यम से संचालित होगी, जिससे कम समय में अधिक यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाया जा सकेगा।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

MINT DELHI 10 MARCH 2025

Indian carriers ascend into international skies

BY HOWINDIALIVES.COM

Ahead of the summer season, India's two leading airlines are ramping up their international presence. IndiGo, the market leader in the Indian international segment, has announced four new destinations—Mauritius, Langkawi and Penang in Malaysia, and Medina in Saudi Arabia. That takes it to 38 international destinations. Air India, too, announced more flights on 10 international routes from end-March, and new or expanded tie-ups with five foreign carriers over 48 destinations.

In IndiGo's last earnings call in January, its chief executive officer, Pieter Elbers, gave two reasons why his airline is keenly pursuing international expansion. The first was the relatively small numbers of Indians flying abroad and their low frequency of flying, which offered natural room for growth. The second was that foreign airlines had a greater share than Indian ones, and that competitive order could be challenged. Indeed, although Indian airlines still trail foreign carriers, they have come out on the other side of covid with a 4-6 percentage point gain in international share. They have held that gain since FY23, a period when aviation operations across the world have trended towards the normal.

In FY24, four of the top 10 airlines by passenger share in the Indian international segment were Indian. Three of these four gained share over FY20, led by IndiGo. Airlines that lost share included three West Asian carriers: Emirates, Qatar Airways and Etihad. Given that West Asia is Indian aviation's international mainstay, and had posted higher traffic, it meant that Indian airlines had weaned share away from big carriers from the region.

Liked this story? Share it by scanning the QR code.

Post-covid, Indian airlines have wrested international share from foreign carriers

Market share in international passengers to and from India (%)

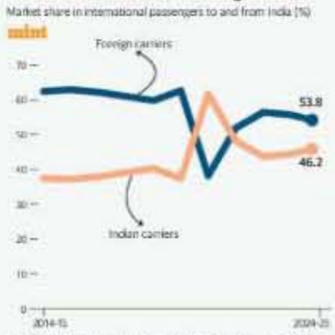

Data for 2024-25 for the six-month period from April to September 2024.

IndiGo has gained the maximum international share in the past five years

Airline-wise market share in international passengers to and from India (%)

Data for top 10 airlines by 2023-24 share, arranged in descending order of share within category. Vistara merged with Air India in November 2024.

Source: Directorate General of Civil Aviation

International Leader

MARKET LEADER IndiGo is replicating in the international segment what it did in the domestic segment—gaining share one destination at a time. Like Air India, IndiGo has also been tying up with foreign carriers, covering 49 destinations with its eight partners. In FY20, IndiGo's share of Indian international passenger traffic was 11.5%. For April to September 2024 (the latest data available), it was 18.7%. The share of international in IndiGo's revenues has risen from 14% in FY19 to 22% in FY24.

Further, the airline's FY24 annual report sees a pathway to 30% in the coming years. One reason for its confidence is India's air services agreements (ASAs)—the base document between two countries on how much commercial flight capacity is available to one another's airlines. "A large number of India's ASAs provide sufficient capacity entitlements to support the growth plans of Indian carriers," IndiGo says in its FY24 annual report.

The share of the international segment in IndiGo's revenues is increasing

Share of international segment in IndiGo's air transportation revenues (%)

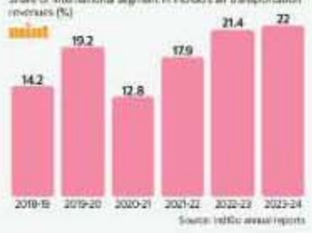

Source: IndiGo annual reports

Nine of the top 10 international routes have topped pre-pandemic levels

Change in passenger count in Jan-Sep 2024 compared to Jan-Sep 2019 (%)

The chart shows the top 10 city-to-city routes in India, ranging from 0.72 million to 1.82 million passengers for the January-September 2024 period.

Source: Directorate General of Civil Aviation

New Heights

INDIAN AVIATION has bounced back after the covid-19 pandemic better than the world average. In FY24, both domestic and international segments crossed FY19 and FY20 levels. In FY24, India registered international passenger traffic of about 67 million, against about 61-64 annually between FY18 and FY20. The latest data on route pairings shows that the top routes are doing well. As many as nine of the top 10 routes have crossed their pre-pandemic baseline, some in significant ways.

There's active churn in the routes. On one hand, 91 routes from January-September 2019 were no longer there in January-September 2024. On the other hand, 87 new routes were added. And then, there are routes that have jumped manifold. Leading the way are Kuala Lumpur-Ahmedabad (25.5 times increase in passenger traffic), Kuwait-Hyderabad (11.7 times), San Francisco-Bengaluru (9.0 times) and Dammam-Kochi (8.8 times).

Unlocking Traffic

THERE'S CHURN on the airline front also. Seventeen airlines from January-September 2019 are no longer flying to India, led by Chinese carriers that were banned by India till recently. At the same time, there are 15 new airlines, including Qantas, Vietnam Airlines, VietJet Air and American Airlines. West Asia and Africa account for about 54% of India's international traffic, followed by Asia Pacific (about 28%), Europe (13%) and the Americas (3.5%).

The Middle-East and Asia have driven growth in the past five years, with Indian airlines at the forefront. IndiGo, for instance, has 456 flights per week to 12 West Asia destinations. There are also emerging countries: Vietnam has gone from zero flights in January-September 2019 to half a million passengers in the same period of 2024. Similarly, the increase for Saudi Arabia is about 1.7 times. And that's what Indian airlines are trying to ride.

howindialives.com is a database & search engine for public data.

Saudi Arabia and UAE have led growth in the international segment for India

Countries with highest share in total additional passengers in Jan-Sep 2024 compared to Jan-Sep 2019 (%)

The total exceeds 100% as passenger traffic declined for 27 of the 61 countries during the period.

Source: Directorate General of Civil Aviation

PARAS JAIN/MINT

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE MORNING STANDARD DELHI 10 MARCH 2025

After AI, IndiGo faces flak over wheelchair aid

SHEKHAR SINGH @ New Delhi

DAYS after an 82-year-old woman was reportedly injured at the Delhi Airport due to Air India's failure to provide a pre-booked wheelchair, another similar incident has surfaced – now involving IndiGo Airlines.

IndiGo is facing backlash over its alleged failure to assist an 83-year-old passenger, Susama Rath, upon her arrival at the Delhi Airport. Rath, who was travelling from Bhubaneswar on IndiGo's 6E 5061 flight on March 5, was allegedly left to navigate the airport by foot despite having pre-requested wheelchair assistance.

Dr Bishnu Prasad Panigrahi, Group Head Medical Strategy & Operations at Fortis Healthcare and Rath's son-in-law, took to social media to express his outrage. He accused the airlines of negligence and insensitivity, flagging 'lack of concern for elderly passengers'.

In response, IndiGo claimed that wheelchairs must be pre-booked at least 48 hours before departure. The airlines claimed no such request was reflected in Rath's booking but extended an apology for the inconvenience. "Dr Panigrahi, we'd like to extend our deepest gratitude for allowing us to address this on the call," it posted on X.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

NAVBHARAT TIMES DELHI 10 MARCH 2025

जरूरतमंदों को वीलचेयर क्यों नहीं, DGCA की जांच शुरू

■ **मनीष अग्रवाल, नई दिल्ली :** एयर इंडिया की ओर से यात्री को वीलचेयर उपलब्ध नहीं कराने के एक हालिया मामले में शिकायत मिलने पर डायरक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (DGCA) ने जांच शुरू कर दी है। सूत्रों का कहना है कि इस मामले को गंभीरता से लिया गया है। तमाम एयरपोर्ट ऑपरेटर्स और एयरलाइंस की एक मीटिंग बुलाई गई है।

AI Image

4 मार्च को दिल्ली एयरपोर्ट के टी-3 से एयर इंडिया की फ्लाइट में सफर करने वाली 82 साल की एक बुजुर्ग महिला को समय पर कथित रूप से वीलचेयर उपलब्ध नहीं कराई गई। नतीजा बुजुर्ग महिला पैदल ही चल पड़ी। वह बीच रास्ते में गिर गई। इससे उन्हें चोट लगी। वह बेंगलुरू स्थित एक अस्पताल में आईसीयू में भर्ती हैं।

DGCA सूत्रों का कहना है कि इस मामले को गंभीरता से लिया गया है। मीटिंग में पिछले साल से अब तक यात्रियों की बढ़ती संख्या और उन्हें कितनी वीलचेयर की जरूरत पड़ी और कितने मामलों में यह सुविधा उपलब्ध नहीं कराई जा सकी, इन सभी पर स्टडी की जाएगी। एयरलाइंस और एयरपोर्ट ऑपरेटर को भी यह सुनिश्चित करने के आदेश दिए जाएंगे कि जरूरतमंदों को वीलचेयर की कमी न हो।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

PUNJAB KESARI DELHI 10 MARCH 2025

घरेलू एविएशन सेगमेंट में भारत दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा बाजार : राजनाथ

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि आज भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाला एविएशन मार्केट है। भारत इस समय दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा बाजार है। पिछले दशक में देश में विमानों की संख्या 400 से बढ़कर 800 से ज्यादा हो गई है, और हवाई अड्डों की संख्या 74 से बढ़कर 159 हो गई है। राजनाथ सिंह ने कहा कि एयर एंबुलेंस, कार्गो आदि के क्षेत्र में भी देश में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इंस्टीट्यूट ऑफ एयरोस्पेस मेडिसिन के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह संस्थान देश के उच्चतम मेडिकल संस्थानों में से एक है। यह दक्षिण-पूर्व एशिया में एयरोस्पेस मेडिसिन का एकमात्र पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट है। रक्षा मंत्री ने बताया कि इस इंस्टीट्यूट ने एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर, लाइट यूटिलिटी हेलीकॉप्टर, लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर से लेकर लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट तेजस तक के डिजाइन और डेवलपमेंट में अपना अहम योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि दुनिया में कई निजी अंतरिक्ष एजेंसियां अब अंतरिक्ष मिशनों को अंजाम दे रही हैं। वैसे तो यह उनके

लिए बड़ा अवसर है, लेकिन उनके सामने कई नई चुनौतियां भी आएंगी। ऐसे में उन एस्ट्रोनॉट तक भी एयरोस्पेस मेडिसिन की सुविधाएं पहुंचाने और उनके सामने आने वाली नई चुनौतियों की ओर पर्याप्त ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इंस्टीट्यूट ऑफ एयरोस्पेस मेडिसिन ने देश के पहले कॉस्मोनॉट राकेश शर्मा को प्रशिक्षित करने की जिम्मेदारी निभाई थी। यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि इसरो के साथ मिलकर हमारे वर्तमान गगनयान एस्ट्रोनॉट का चयन भी, इसी संस्थान में हुआ है।

हमारे पायलट दुनिया के सर्वश्रेष्ठ पायलटों में से एक

राजनाथ सिंह ने कहा कि हमारे पायलट दुनिया के सर्वश्रेष्ठ पायलटों में से एक हैं। उन्हें अनुकूल वातावरण प्रदान करना हमारी बड़ी जिम्मेदारी है। कहा, मैं इंडियन एयर फोर्स के हमारे बहादुर योद्धाओं को नमन करता हूं। इंडियन एयर फोर्स का शौर्य और पराक्रम अतुलनीय है। एक वैन्य बल के रूप में इंडियन एयर फोर्स, इंसान और मशीन का परफेक्ट कॉम्बिनेशन है। वायु सेना के जांबाज सैनिक, अपनी कर्तव्यनिष्ठता से, दिन-रात हमारी सीमाओं की सुरक्षा कर रहे हैं। हमारा मानव शरीर एक जटिल मशीन की तरह है, जो मुख्य रूप से पृथ्वी के वातावरण के लिए ही बना है।

स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान के लिए एचएएल को मिला पहला रियर फ्यूजलेज

स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) एमके 1 ए का रियर फ्यूजलेज (विमान का पिछला हिस्सा) सोमवार को हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को सौंपा गया। एचएएल के एयरक्राफ्ट डिवीजन में इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी मौजूद रहे। रक्षा मंत्री ने इस हस्तांतरण को देश के रक्षा निर्माण के सफर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया। यह पहला रियर फ्यूजलेज है, जिसे भारतीय निजी उद्योग कंपनी अल्फा टोकोल इंजीनियरिंग सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड ने एचएएल को सौंपा है। राजनाथ सिंह ने कहा कि यह रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम और सरकार की सार्वजनिक-निजी भागीदारी को बढ़ाने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। गौरतलब है कि कुल 83 हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) एमके 1 ए बनाने के लिए एलएंडटी, अल्फा टोकोल इंजीनियरिंग सर्विसेज, टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड, वीईएम टेक्नोलॉजीज और लक्ष्मी मिशन क्वर्स जैसी भारतीय निजी कंपनियां विमान के विभिन्न और प्रमुख मॉड्यूल्स की आपूर्ति करेंगी। एचएएल ने इसके लिए इन कंपनियों के साथ अनुबंध किया है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

RAJASTHAN PATRIKA DELHI 10 MARCH 2025

एविएशन क्षेत्र: 90 के दशक में शुरू हुईं अधिकांश एविएशन कंपनियां या तो बंद हो गईं या फिर उनका विलय हो गया

हवाई अड्डे तो बनते जा रहे हैं, एयरलाइंस कहां हैं?

मधुरेन्द्र सिन्हा
वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार
@patrika.com

विमानन क्षेत्र में स्पर्धा खत्म सी हो गई है और टिकट महंगे हो गए हैं। ग्राहकों के लिए अब ज्यादा विकल्प भी नहीं बचे और वे ज्यादा किराया देने के लिए बाध्य भी हो रहे हैं। इससे एविएशन क्षेत्र में विस्तार की संभावना पर सवाल उठ खड़े हुए हैं।

इस साल दो बड़े अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे चालू होने जा रहे हैं। एक है जेवर हवाई अड्डा और दूसरा नवी मुंबई। दोनों ही भारत सरकार तथा राज्य सरकारों की महत्वाकांक्षी योजनाओं का परिणाम हैं। नोएडा में 7200 एकड़ में बनने वाले जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 29,650 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है, वहीं नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 16,700 करोड़ रुपए खर्च होंगे और यह 1160 एकड़ में बन रहा है। ये दोनों आधुनिकतम सुविधाओं से लैस और दुनिया के बेहतरीन हवाई अड्डों में से होंगे। मुंबई हवाई अड्डे की सालाना यात्रियों के लाने ले जाने की क्षमता जहां दो करोड़ सालाना होगी, वहीं जेवर की योजना प्रतिदिन 65 उड़ानें संचालित करने की है जिनमें 62 घरेलू, 2 अंतरराष्ट्रीय और 1 कार्गो उड़ान। इसकी क्षमता कुल 7 करोड़ यात्रियों को लाने ले जाने की है। अभी देश में करीब 150 हवाई अड्डे हैं जबकि 2014 में यह आंकड़ा 70 था। अब सवाल उठता है कि इतने यात्री आएंगे कहां से और कितनी एयरलाइंस उनके लिए चाहिए?

90 के दशक में जब देश में उदारीकरण शुरू हुआ तो इसका असर हवाई यात्रा पर भी पड़ा और कई विमानन कंपनियां अस्तित्व में आईं। इनमें ईस्ट वेस्ट एयरलाइंस, जेट एयरवेज, दमानिया, मोदीलुफ्त, एनईपीसी, सहारा थीं। उस समय ये बहुत कम किराये पर यात्रियों को लाने ले जाने की सुविधा उपलब्ध करा रही थीं। 2000 के बाद एयर डेक्कन, गो एयर और किंगफिशर भी उतरीं। यानी भारतीय आकाश में एयरलाइंसों का जलवा हो गया। हवाई अड्डे छोटे पड़ने लगे और हवाई अड्डों की ओर जाने वाले यात्रियों की तादाद बढ़ती चली गई। लेकिन बाद में एयरलाइंस एक के बाद एक गायब होने लगीं। नब्बे के दशक में शुरू हुई एविएशन कंपनियां या तो बंद हो गईं या फिर उनका विलय हो गया। किंगफिशर और जेट एयरवेज के बंद हो जाने से एविएशन इंडस्ट्री को बड़ा धक्का लगा। बड़े पैमाने पर लोगों का रोजगार छिन गया। सिर्फ जेट एयरवेज के बंद हो जाने से 20,000 लोगों का रोजगार छिन गया। 2005 में शुरू हुई किंगफिशर एयरलाइंस शुरू से ही घाटे में चल रही थी और इसका अंत अक्टूबर 2012 में हो गया जब यह कंपनी कर्ज में डूब गई और इसके प्रमोटर विजय माल्या ने देश छोड़ दिया।

एक और बड़ी एयरलाइंस विस्तारा जो टाटा समूह और सिंगापुर एयरलाइंस के बीच समझौते से बनी थी, 2024 में एयर इंडिया का हिस्सा बन गई क्योंकि एयर इंडिया को टाटा समूह ने खरीद लिया था और वह दो एयरलाइंस चलाना नहीं चाहते थे। टाटा ने जो एयर एशिया को भारत में मलेशियाई कंपनी के साथ मिलकर चला रही थी, घरेलू उड़ानों के लिए बंद कर दिया। अब भारत के आकाश में मुख्य रूप से एयर इंडिया के अलावा बजट एयरलाइंस इंडिगो और स्पाइस जेट ही हैं। शेयर बाजार के दिग्गज राकेश झुनझुनवाला ने अकासा एयर स्थापित किया था। उनके निधन के बाद हालांकि यह चल रही है लेकिन सीमित रूटों पर। एयर इंडिया एक्सप्रेस भारत सरकार की ही कंपनी थी जो टाटा समूह को बेच दी गई थी। अब यह कुछ ही रूट पर दिख रही है और इसकी किसी से स्पर्धा नहीं है। इतनी सारी एयरलाइंस के अस्तित्व से गायब हो जाने के कारण सबसे बड़ी समस्या तो यात्रियों के सामने आ खड़ी हुई जो कम किराये पर यात्रा करते रहे थे। पिछले साल से हवाई किराया काफी बढ़ गया है और कुछ रूट पर तो आसमान छूने लगा है। इससे मिडिल क्लास को बड़ा धक्का लगा क्योंकि उसे हवाई यात्रा की आदत पड़ती जा रही थी। लेकिन उससे भी ज्यादा बड़ी बात यह थी कि इतने सारे हवाई अड्डों के निर्माण और विस्तार के बारे में सोचने का वक्त आ गया है।

सवाल यह भी उठ रहे हैं कि सरकार ने 'उड़े देश का हर नागरिक' (उड़ान) योजना के तहत देश के कोने-कोने में हवाई अड्डे बनाना शुरू किया था, उसका क्या हश्र होगा? इतनी बड़ी जनसंख्या को विमान यात्रा कराने के लिए जितने विमान और एयरलाइंस चाहिए वो इस समय उपलब्ध नहीं हैं। विमानन क्षेत्र में स्पर्धा खत्म सी हो गई है और टिकट महंगे हो गए हैं। ग्राहकों के लिए अब ज्यादा विकल्प भी नहीं बचे और वे ज्यादा किराया देने के लिए बाध्य भी हो रहे हैं। इससे एविएशन क्षेत्र में विस्तार की संभावना पर सवाल उठ खड़े हुए हैं। यह सही है कि ये जो तीन प्रमुख एयरलाइंस हैं वे मजबूत हो रही हैं और वैश्विक स्पर्धा में तनकर खड़ी हो रही हैं लेकिन घरेलू यात्रियों के लिए यह कठिन परिस्थिति है। इसके साथ ही सरकार के लिए भी क्योंकि जितनी ज्यादा विमानन कंपनियां होंगी, उतना ही टैक्स भी मिलेगा।

वैसे सरकार के लिए यह राहत की बात है कि उसने एयर इंडिया से छुटकारा पा लिया है जिसे जिंदा रखने के लिए 60,000 करोड़ रुपए से भी ज्यादा खर्च किए थे। जो अन्य एयरलाइंस बंद हो गईं, उनसे भी सरकार को धक्का लगा क्योंकि उन्हें सरकारी बैंकों से भारी ऋण मिला था। अब देश में कई ऐसे हवाई अड्डे मसलन तेजू, कुल्लू वगैरह ऐसे हैं जिनमें कोई नियमित विमान सेवा ही नहीं है। अब और नए एयरपोर्ट बनते तो जा रहे हैं लेकिन एयरलाइंस की कमी साफ दिख रही है। एयरलाइंस का बिजनेस बेहद खर्चीला है और इसमें मुनाफे के लिए वर्षों टिके रहना पड़ता है। यह बहुत कठिन है और इसमें सरकार की मदद चाहिए। सरकार को मदद के तौर पर टैक्सों में कटौती करनी होगी। हवाई जहाजों में इस्तेमाल होने वाले फ्यूल की ड्यूटी कम करनी होगी। बिना इंसेंटिव दिए नए एयरलाइंस मैदान में उतरेंगी नहीं और ये विशालकाय एयरपोर्ट ऐसे ही आधे खाली पड़े रहेंगे।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

RASHTRIYA SAHARA DELHI 10 MARCH 2025

भारत दुनिया का तेजी से बढ़ता एविएशन बाजार

■ नई दिल्ली (आईएएनएस)।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि आज भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाला एविएशन मार्केट है। भारत इस समय दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा बाजार है। पिछले दशक में देश में विमानों की संख्या 400 से बढ़कर 800 से ज्यादा हो गई है, और हवाई अड्डों की संख्या 74 से बढ़कर 159 हो गई है। राजनाथ सिंह ने कहा कि एयर एंबुलेंस, कार्गो आदि के क्षेत्र में भी देश में लगातार बढोतरी हो रही है। इंस्टीट्यूट ऑफ एयरोस्पेस मेडिसिन के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह संस्थान देश के उच्चतम मेडिकल संस्थानों में से एक है। यह दक्षिण-पूर्व एशिया में एयरोस्पेस मेडिसिन का एकमात्र पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट है।

■ कहा, भारत इस समय दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा बाजार

रक्षा मंत्री ने बताया कि इस इंस्टीट्यूट ने एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर, लाइट यूटिलिटी हेलीकॉप्टर, लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर से लेकर लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट तेजस तक के डिजाइन और डेवलपमेंट में अपना अहम योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि दुनिया में कई निजी अंतरिक्ष एजेंसियां अब अंतरिक्ष मिशनों को अंजाम दे रही हैं। वैसे तो यह उनके लिए बड़ा अवसर है, लेकिन उनके सामने कई नई चुनौतियां भी आएंगी। ऐसे में उन एस्ट्रोनॉट तक भी एयरोस्पेस मेडिसिन की सुविधाएं पहुंचाने और उनके सामने आने वाली नई चुनौतियों की ओर पर्याप्त ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हमारे पायलट दुनिया के सर्वश्रेष्ठ पायलटों में से एक हैं। उन्हें अनुकूल वातावरण प्रदान करना हमारी बड़ी जिम्मेदारी है।

रक्षा मंत्री ने कहा, मैं इंडियन एयर फोर्स के हमारे बहादुर योद्धाओं को नमन करता हूं। इंडियन एयर फोर्स का शौर्य और पराक्रम अतुलनीय है। एक सैन्य बल के रूप में इंडियन एयर फोर्स, इंसान और मशीन का परफेक्ट कॉम्बिनेशन है। वायु सेना के जांबाज सैनिक, अपनी कर्तव्यनिष्ठता से, दिन-रात हमारी सीमाओं की सुरक्षा कर रहे हैं। हमारा मानव शरीर एक जटिल मशीन की तरह है, जो मुख्य रूप से पृथ्वी के वातावरण के लिए ही बना है। जब मनुष्य स्पेस में जाता है, तब उसे माइक्रो ग्रेविटी, रेडिएशन और आइसोलेशन जैसी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। उस स्थिति में, एयरोस्पेस मेडिसिन ही किसी इंसान के लिए सबसे महत्वपूर्ण होता है। कॉकपिट डिजाइन यानी क्रू सीट कैसी होनी चाहिए, क्रू की मेडिकल किट में क्या-क्या होना चाहिए, यहां तक कि क्रू के सामने लगी डिस्प्ले कैसी होनी चाहिए और उस डिस्प्ले में क्या-क्या होना चाहिए जैसी बारीकियों के बारे में भी उन्होंने बात की। उन्होंने कहा कि इंस्टीट्यूट ऑफ एयरोस्पेस मेडिसिन ने देश के पहले कॉस्मोनॉट राकेश शर्मा को प्रशिक्षित करने की जिम्मेदारी निभाई थी। यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि इसरो के साथ मिलकर हमारे वर्तमान गगनयान एस्ट्रोनॉट का चयन भी, इसी संस्थान में हुआ है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TELEGRAPH KOLKATA 9 MARCH 2025

Fresh trouble for SpiceJet

TURBULENCE

New Delhi: SpiceJet is facing a fresh round of trouble as three Ireland-based aircraft lessors and a former pilot have filed insolvency pleas with the NCLT against the budget carrier, claiming defaults.

Three lessors — NGF Alpha, NGF Genesis and NGF Charlie — have filed petitions under Section 9 of the IBC, seeking initiation of insolvency proceedings against SpiceJet claiming dues totalling $12.68 million (about ₹110 crore).

SpiceJet, during the proceedings of the National Company Law Tribunal, earlier this week, sought some time to resolve the matter as settlement talks were going on.

"Counsel on behalf of the operational creditor (SpiceJet) is present and sought time to seek instructions on the future course of action in the matter," NCLT said in an order.

The insolvency tribunal directed to list all three petitions on April 7, 2025 for the next hearing. The lessors had earlier leased five Boeing 737 to SpiceJet.

They had served a legal notice to SpiceJet wherein they alleged theft of parts of the aircraft, including engines and using them in other planes.

PTI

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA BANGALORE 9 MARCH 2025

Family denied flight, court orders airline & travel agency to pay ₹1.2L

Vindhya.Pabolu
@timesofindia.com

Bengaluru: Denied boarding on a flight to the US at Kempegowda International Airport (KIA), a family of three knocked on the doors of a consumer court, which recently ordered the airline and a travel agency to pay Rs 1.2 lakh in compensation and litigation costs.

Gopal Ramachandraiah, 42, a resident of Kodihalli, had to go to the US on a business trip and decided to take his wife and two-and-half-year-old daughter along. He booked three return tickets to Denver, Colorado via London, on Aug 28, 2022, on British Airways through the Gurugram-based travel agency CheapOair by paying slightly over Rs 3 lakh through his credit card.

The trio reached KIA in the early hours of Sept 27, but were in shock when the authorities stopped them from boarding the flight. They were told their tickets were under suspension over a payment issue. The money, though, had been deducted from Gopal's credit card and he wasn't informed of any payment issue.

An upset Gopal escalated the issue with the higher officials of British Airways and they asked him to take up the issue with CheapOair. Since it was also a business trip, Gopal was forced to book another ticket on Lufthansa the next day from Mumbai by paying Rs 3.6 lakh.

Gopal issued a legal notice on June 30, 2023, to both airline and the travel agency, but got no response. Fed up with the rude behaviour and wanting his money back, Gopal filed a complaint to the district consumer disputes redressal commission, Bengaluru (Urban), on Aug 22, 2023.

While the airline submitted a written version, the travel agency remained absent.

The airline said tickets were suspended due to a flagged payment issue as the card had a suspension remark from its past bookings. The airline further claimed that the family was given an option to repurchase tickets using cash or in-person card payment but it declined, leading to its inability to travel. The airline asserted that a full refund was issued on Aug 28, 2023, and argued that it was the travel agency's responsibility to inform the passengers about the status of their tickets. Additionally, the airline contended that since Gopal had booked the tickets for what was essentially a business trip, the family did not qualify for redressal under consumer protection laws. The airline said it had refunded the money, therefore there was no cause of action left.

After going through all the documents and proofs (emails, payment screenshots, etc), the commission said it was clear that even though the travel agency was very much aware of the ticket suspension, it simply kept quiet and did not inform Gopal about it. The commission noted that the entire humiliation and harassment the family suffered was due to negligence by both the agency and the airline.

"Instead of informing the complainants about the suspension of their tickets early, the airline and the travel agency behaved with the family in an illegal manner by harassing them and also preventing them from boarding the flight," the commission said.

The commission ordered both British Airways and CheapOair to pay interest at the rate of 8% on the airfare of Rs 3 lakh from Aug 28, 2022, till Aug 28, 2023, for the inconvenience caused, harassment, mental agony, and financial loss suffered by the family. The court asked them to pay Rs 1 lakh and Rs 20,000 in compensation and litigation costs.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA HYDERABAD 9 MARCH 2025

Family denied flight, B'luru court orders airline & travel agency to pay ₹1.2L

Vindhya.Pabolu@timesofindia.com

Bengaluru: Denied boarding on a flight to the US at Kempegowda International Airport (KIA), a family of three knocked on the doors of a consumer court, which recently ordered the airline and a travel agency to pay Rs 1.2 lakh as compensation.

Gopal Ramachandraiah, 42, had to go to the US on a business trip and decided to take his wife and two-and-half-year-old daughter along. He booked three return tickets to Denver, Colorado via London, on Aug 28, 2022, on British Airways through the Gurugram-based travel agency CheapOair by paying slightly over Rs 3 lakh.

The trio reached KIA in the early hours of Sept 27, but were in shock when the authorities stopped them from boarding the flight. They were told their tickets were under suspension over a payment issue. The money, though, had been deducted from Gopal's credit card and he wasn't informed of any payment issue.

An upset Gopal escalated the issue with the higher officials of British Airways and they asked him to take up the issue with CheapOair. Since it was also a busi ness trip, Gopal was forced to book another ticket on Lufthansa the next day by paying Rs 3.6 lakh.

While the airline submitted a written version, the travel agency remained absent.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA HYDERABAD 9 MARCH 2025

Festive rush meets weekend: Airfares skyrocket, trains run at full capacity

SCR Runs Special Services For Holi

TIMES NEWS NETWORK

Hyderabad: Airfares from Hyderabad to several domestic destinations have gone up significantly over the long weekend coinciding with the Holi festival on March 14.

Airfares to cities like Jaipur, Chandigarh, Nagpur, Pune and Patna have gone up to double the normal rates.

Airfares from Hyderabad to Jaipur reached ₹11,000 on March 13, the day before Holi, compared to the usual range of ₹6,000-₹7,500 on normal days. Airfares to Patna have also seen a significant increase, from the usual ₹6,500 to ₹10,000 - ₹11,000.

On the other hand, South Central Railway has arranged special train services connecting Cherlapally with Shalimar, Santragachi, Gorakhpur and Hazrat Nizamuddin to cater to the festive rush. Most of the trains are operating in full capacity.

FROM UAE TO HYD: AT A STEEP PRICE

City/Country	Regular fare	Fare during Mar 26-28
Muscat	₹10,000 - ₹20,000	₹54,000 - Rs 85,000
Doha	₹15,000 - ₹20,000	₹60,000 - Rs 80,000
Bahrain	₹20,000 - ₹25,000	₹51,000 - Rs 54,000
Riyadh	₹15,000 - ₹20,000	₹63,000 - Rs 79,000
Kuwait	₹18,000 - ₹21,000	₹26,000 - Rs 44,000
Dubai	₹8,000 - ₹20,000	₹25,000 - Rs 49,000
Sharjah	₹8,000 - ₹20,000	₹17,000 - Rs 52,000

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA MUMBAI 9 MARCH 2025

Heroic women doctors save diabetic passenger mid-flight

Sugar Revives Flyer With Low Glucose Count

TIMES NEWS NETWORK

Mumbai: On Women's Day on Saturday, three female specialists from a city hospital saved a diabetic patient who seemed drowsy and unresponsive during a Delhi-Mumbai flight that took off early in the morning.

"A middle-aged male passenger was discovered in a drowsy state, almost unresponsive, with clammy skin, heavy sweating, and a very feeble pulse," said Dr Priyanka Kale of Fortis Hiranandani Hospital, Vashi, who helped revive him after a cabin crew made an announcement requesting assistance from any available doctor or nurse. A press release issued by the hospital said that the man's condition indicated severe "hypoglycemic shock, compounded by a dangerously low pulse rate".

SAVIOURS ON THE FLIGHT

After interacting with the patient, who could barely nod, the team learned that he had a history of diabetes and poured sugar from a sachet into his mouth. Over the next five minutes, they administered more sachets at 1-2 minute intervals.

After the fourth sachet, the passenger regained consciousness and responded to the team. He told the team that he did not eat anything before takeoff, which could have led to his collapse. The airline cabin crew then provided him with breakfast and juice, and the rest of the flight continued to Mumbai without any incident.